



Food and Agriculture
Organization of the
United Nations

राष्ट्रीय संवाद

2030 की ओर अग्रसर भारतीय कृषि

किसानों की आय बढ़ाने, पोषण सुरक्षा एवं सतत खाद्य प्रणाली
के लिए दिशा एवं उपाय

विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवरचना

विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवरचना

डॉ.आर.बी. सिंह, डॉ. आर.एस. परोदा तथा डॉ. मालविका ददलानी

विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवरचना (इनोवेशन) (एसटीआई), जो वर्गीय तथा स्थान-विशेष दोनों चुनौतियों को हल करने के लिए लक्षित हैं, कृषि-खाद्य प्रणालियों को बदलने के लिए महत्वपूर्ण परिचालक हैं। ये कृषि क्षेत्र में युवाओं और महिलाओं को प्रेरित, आकर्षित और सशक्त बनाते हुए, छोटे किसानों के लिए जीविका आधारित, कम फायदेमंद आजीविका को लाभदायक तथा सम्मानजनक व्यवसायों में बदल सकते हैं। i) उत्पादकता, लाभप्रदता, समावेशिता और मानव संविद की दक्षता बढ़ाना, ii) पूर्ण पोषण सुरक्षा प्राप्त करना, iii) जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का समाधान करना, iv) पर्यावरण के अनुकूल टिकाऊ प्रथाओं को अपनाना, और v) कुशल किसान-बाजार संपर्क स्थापित करने के लिए एक आदर्श एवं मूलभूत बदलाव की आवश्यकता है।

वांछित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए, यह लेख निम्नलिखित के लिए प्रभावी मार्ग पर प्रकाश डालता है: i) आईटीके, पारंपरिक तरीकों के संयोजन तथा राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विकसित अत्याधुनिक तकनीकों को अपना कर नवरचना (इनोवेशन) को बढ़ाना, ii) एक गोल्ड क्लास शिक्षा प्रणाली के माध्यम से एसटीआई को स्थायी करना, तथा iii) मजबूत सार्वजनिक-निजी भागीदारी का लाभ उठाना।

यह लेख शोध एवं विकास में निवेश बढ़ाने की भी सिफारिश करता है, नवरचनाओं (इनोवेशंस) को बढ़ाने के लिए एक सक्षम नीतिगत वातावरण की तत्काल आवश्यकता पर प्रकाश डालता है तथा स्पष्ट परिवर्तनकारी कार्रवाई बिंदुओं पर सुझाव देता है।

पेपर डाउनलोड करने के लिए यहां क्लिक करें।

मुख्य शब्द: प्रौद्योगिकी, नवरचना (इनोवेशन), लाभप्रदता, पोषण सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन